बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी : आखिरी 2 टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई स्क्वॉड का ऐलान

मैकस्वीनी-हेजलवुड बाहर, कोंस्टास को पहली बार मौका, रिचर्ड्सन की वापसी

नई दिल्ली ॥ एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के आखिरी 2 टेस्ट मैचों के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। इसमें 2 बड़े बदलाव किए गए हैं। पहले तीन टेस्ट में उस्मान ख्वाजा के साथ ओपनिंग करने वाले नाथन मैकस्वीनी को चयनकर्ताओं ने स्क्वॉड से बाहर कर दिया है, जबकि 19 साल के ओपनर सैम कोंस्टास को पहली बार टीम में शामिल किया गया है।

वहीं, चोट से जूझ रहे जोश हेजलवुड को भी टीम में जगह नहीं मिली है। इसके अलावा तीन साल के बाद तेज गेंदबाज झाय रिचर्ड्सन को वापसी हुई है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सीरीज का चौथा टेस्ट मैच 26 दिसंबर से मेलबर्न में खेला जाएगा, वहीं आखिरी और पांचवां मुकाबला 3 जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा। सैम कोंस्टास को पहली बार भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई प्राइम मिनिस्टर इलेवन टीम से खेलने वाले 19 साल के ओपनिंग बल्लेबाज सैम कोंस्टास को पहली बार मौका मिला है। कोंस्टास ने उस पिंक बॉल प्रैक्टिस मैच में शतकीय पारी खेली थी। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था। रिचर्ड्सन को तीन साल बाद मौका रिचर्ड्सन को तीन साल के बाद टेस्ट टीम में मौका मिला है। रिचर्ड्सन ने अपना आखिरी टेस्ट मुकाबला दिसंबर, 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ हुई एशेज सीरीज में एडिलेड के मैदान पर खेला था।

आखिरी 2 टेस्ट मैचों के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम

पैट कमिंस (कप्तान), ट्रैविस हेड (उपकप्तान), स्टीव स्मिथ (उपकप्तान), सीन एबॉट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, जोश इंग्लिस, उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टास, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिशेल मार्श, झाय रिचर्ड्सन, मिशेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर।

क्या फिर ऑस्ट्रेलिया जाएंगे अश्विन?

कोहली से एमसीजी में खेलने का वादा किया

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के दो दिन के भीतर अपने सोशल मीडिया पोस्ट से सभी को हैरान कर दिया है। कोहली ने अश्विन के लिए भावुक पोस्ट किया था और उसी पर जवाब देते हुए इस पूर्व भारतीय स्पिनर ने पूर्व कप्तान के साथ एमसीजी में खेलने का वादा किया। अश्विन ने कोहली को धन्यवाद देते हुए यह लाइन लिखी जिससे इसकी चर्चा शुरू हो गई कि क्या वह फिर ऑस्ट्रेलिया जाएंगे? अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ब्रिसबेन टेस्ट के ड्रॉ होने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। संन्यास का एलान करने से पहले अश्विन को ड्रेसिंग रूम में कोहली के साथ लंबी बातचीत करते देखा गया था। भारतीय ड्रेसिंग रूम के अंदर हुई बातचीत के अंत में दोनों एक-दूसरे को गले लगाते हुए देखे गए थे। अश्विन के अंतरराष्ट्रीय संन्यास की घोषणा करने के कुछ घंटों बाद कोहली ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट में लिखा था, मैं आपके साथ 14 साल तक खेला हूं और जब आपने आज मुझे बताया कि आप संन्यास ले रहे हैं तो मैं थोड़ा भावुक हो गया और उन सभी यादों की यादें मेरे सामने आ गईं जब हम साथ खेले थे। मैंने आपके साथ इस यात्रा का हर पल का आनंद लिया है। कोहली को जवाब देते हुए अश्विन ने कहा, धन्यवाद दोस्त! जैसा कि मैंने आपको बताया मैं एमसीजी में आपके साथ बल्लेबाजी करने के लिए एतृंगा। हालांकि यह स्पष्ट नहीं था कि अश्विन का मतलब क्या था। कुछ नेटिजन्स का मानना है कि यह महान ऑफ स्पिनर 2022 टी20 विश्व कप में हाथापाई भरे मेलबर्न क्रिकेट मैदान में पाकिस्तान पर जीत में उनकी संक्षिप्त लेकिन अहम साझेदारी का जिक्र कर रहे थे। अश्विन पाकिस्तान के खिलाफ भारत के 160 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अंतिम दो गेंदों पर क्रीज पर कोहली के साथ शामिल हुए थे। भारत को मैच के आखिरी तीन ओवरों में 48 रन बनाने थे जिसमें कोहली ने दमदार प्रदर्शन किया। खेल के अंत में दोनों खिलाड़ी नाबाद थे। कोहली ने 82 रन और अश्विन एक रन बनाकर नाबाद रहे।

नेशनल आर्चरी चैम्पियनशिप

मप्र के खिलाड़ियों ने जीते 3 पदक

सच संवाददाता ॥ भोपाल

44वीं एनटीपीसी सीनियर रिकर्व कम्पाउण्ड नेशनल आर्चरी चैम्पियनशिप गोपाल मैदान जमशेदपुर झारखंड में मध्यप्रदेश राज्य आर्चरी अकादमी के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 2 रजत और 1 कांस्य पदक अर्जित किए। व्यक्तिगत कम्पाउण्ड वूमेन स्पर्धा में कु. वृष्टि सिंह ने रजत, रिकर्व वूमेन टीम स्पर्धा में कु. सोनिया ठाकुर, चित्या ठाकुर, कृतिका बिचपुरिया, कु. जहान्वी देशमुख ने रजत, ब्रांज मिक्स टीम इवेंट में अमित कुमार और कृतिका बिचपुरिया ने कांस्य पदक जीता। खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सभी विजेता खिलाड़ियों और कोचों को उनके प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

डीजीपी 11 और एमपी 03 ने जीते मैच

सच प्रतिनिधि ॥ भोपाल

स्व. कैलाश सारंग स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट के तहत आठवीं मास्टर्स कप क्रिकेट प्रतियोगिता ओल्ड केम्पीयन खेल मैदान में विभागीय ग्रुप में डीजीपी 11 और माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के बीच मेच खेला गया। डीजीपी 11 ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में दो विकेट खोकर 272 रन बनाए। जवाबी पारी खेलने उतरी माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय की टीम 19.5 ओवर में 108 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। वही कॉरपोरेट ग्रुप में वेदांत और एमपी-03 के मध्य दूसरा सेमीफाइनल खेला गया। जिसमें वेदांत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 173 रन बनाए। जवाबी पारी खेलने उतरी एमपी 03 की टीम ने 13.2 ओवर में 1 विकेट खोकर 175 रन बनाकर यह मैच 9 विकेट से जीत लिया और प्रतियोगिता के फाइनल मे प्रवेश किया। आसिफ अली और अभिषेक सांगवान को सयुंक्त रुप से आरएनटीयू मैन ऑफ द मैच चुना गया।

43वीं राज्य स्तरीय कराते स्पर्धा आज से

भोपाल। भोपाल जिला कराते संगठन के द्वारा मप्र कराते संघ के तत्वाधान में 43वीं राज्य स्तरीय कराते प्रतियोगिता का आयोजन गुजराती समाज भवन भोपाल में आज से 23 दिसंबर 2024 तक किया जा रहा है। मप्र कराते संघ के महासचिव जमाल अब्दुल नासिर एवं संघ के उपाध्यक्ष संजय थवाईत ने बताया कि उक्त प्रतियोगिता में मप्र जिले के 350 खिलाड़ी शामिल होंगे। प्रतियोगिता विश्व कराते फेडरेशन महासंघ के नियमों के अंतर्गत खेली जाएगी। प्रतियोगिता का शुभारंभ आज शाम 5 बजे राजेंद्र शुक्ला, उपमुख्यमंत्री, मप्र शासन द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर अखिल भारतीय कराते संघ के तकनीकी उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

विजय हजारे ट्रॉफी तेज गेंदबाजों की फॉर्म पर भी रहेगी नजर

नई दिल्ली। भारत को आठ हफ्ते से भी कम समय में टीपियंस ट्रॉफी खेलनी है और आज से देशभर में शुरू हो रही विजय हजारे ट्रॉफी के लिए आगामी राष्ट्रीय वनडे टीपियनशिप के दौरान एक बेहतरीन कलाई के स्पिनर, ऋषभ पंत का साथ देने के लिए दूसरे विकेटकीपर और मुख्य तेज गेंदबाजों की फॉर्म पर सबकी नजरें लगी होंगी। हालांकि 50 ओवर की टीम के मुख्य खिलाड़ी अभी ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए खेल रहे हैं लेकिन राष्ट्रीय प्रतियोगिता का अपना महत्व है क्योंकि बड़ौदा के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या जैसे कुछ सितारों को इसमें खेल का महत्वपूर्ण समय मिलेगा। पिचर कुलदीप यादव का ग्रोइन चोट के कारण एनसीए (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) में लंबे समय तक रिहैबिलिटेशन में रहना चयन समिति को अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर के साथ एक अच्छे पिच विकल्प की तलाश करने के लिए मजबूर कर सकता है।

पिछले 10 वर्षों में एमसीजी पर एक भी टेस्ट नहीं हारा भारत

मेलबर्न। भारतीय टीम पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंदन अश्विन के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास को पीछे छोड़ हुए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट में उतरेगी। दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 1-1 की बराबरी पर चल रही है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच ब्रिसबेन के गाबा में खेला गया तीसरा टेस्ट मैच ड्रॉ रहा था और अब रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम की नजरें 26 दिसंबर से होने वाले चौथे टेस्ट के दौरान मेलबर्न पर जीत दर्ज कर सीरीज में बढ़त हासिल करने पर टिकी होंगी। भारत को अगर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में जगह बनानी है तो उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अगले दोनों मुकाबले जीतने होंगे। इस सीरीज में एक और हार उसके लिए डब्ल्यूटीसी फाइनल के दरवाजे बंद कर देगी। भारत ने विपरीत परिस्थितियों में जिस तरह तीसरा टेस्ट मैच ड्रॉ कराया उससे टीम के हौसले बढ़े हुए होंगे। भारत अगर चौथा मैच जीतने में सफल रही तो सीरीज गंवाने से बच जाएगी और 2-1 की बढ़त हासिल कर लेगी। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में भारत का पलड़ा ऑस्ट्रेलिया पर भारी है। पिछले 10 वर्षों में टेस्ट में यह ग्राउंड भारत के लिए अजेय किला बना हुआ है। भारतीय टीम ने इस मैदान पर 2014 से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कुल तीन मुकाबले खेले हैं और उसे दो में जीत मिली है, जबकि एक मैच ड्रॉ रहा है। वहीं, पैट कमिंस की अगुआई वाली टीम पिछले 10 वर्षों में एमसीजी पर भारत के खिलाफ जीत दर्ज नहीं कर सकी है।

देश के कोने-कोने में सागर की सेम की धूम, इसकी खेती बन रही लाभ का धंधा

पूरे सीजन में किसान एक एकड़ में सेम की खेती से कमा रहे डेढ़ से 2 लाख रुपए

सच संवाददाता ॥ सागर

बुंदेलखंड अंचल के किसानों ने खेती में अलग प्रयास कर गजब कारनामा किया है। बुंदेलखंड के सागर जिले की मालथोन एवं बांदरी तहसील के किसानों ने पारंपरिक खेती से अलग सेम फली की खेती कर अपनी आमदनी को कई गुना बढ़ाया है। बता दें कि कुछ वर्ष पहले तक ये किसान सिर्फ पारंपरिक किसानी पर निर्भर थे।

परंपरागत फसलों की बुआई करते थे। जिसके फलस्वरूप उन्हें ज्यादा मुनाफा नहीं हो पाता था, लेकिन अब अंचल के किसान न केवल आधुनिक पद्धतियों से किसानी कार्य कर रहे हैं, बल्कि नई नई फसलों की बुआई कर लाखों का मुनाफा भी कमा रहे हैं। बुंदेलखंड की सेम की फलियां अब आगरा, दिल्ली तथा देश के अन्य शहरों की सब्जी मंडियों की शोभा बढ़ा रही है। सागर जिले की बांदरी मालथौन तहसील क्षेत्र के किसान अब नकदी फसलों का उत्पादन लेने में रुचि दिखा रहे हैं और इन नकदी फसलों में से एक सेम की खेती हैं जो इन किसानों को मुनाफे का सबब बन रही है।

यह है लाभ का गणित

सेम की फसल उत्पादन करने वाले किसान बताते हैं कि एक एकड़ में अगर वह पारंपरिक फसल गेहूं की बुआई करते है तो उन्हें 15 क्विंटल के करीब पैदावार ही मिल पाती थी, जो बाजार मूल्य अनुसार 32 हजार रुपए की होती है। जबकि इसी एक एकड़ रकबे में किसान प्रति सप्ताह 10 क्विंटल सेम का उत्पादन ले रहे है, जो बाजार मूल्य अनुसार 40 हजार रुपए की होती है और पूरे सीजन में किसान एक एकड़ में सेम की खेती से डेढ़ से 2 लाख रुपए कमा लेता है।

सीधे खेत से हो जाती है बिक्री

अन्य पारंपरिक फसल के जैसे किसान इसको लेकर किसी मंडी अथवा बाजार में बिक्री करने नहीं जाना पड़ता, बल्कि सब्जी के थोक खरीददार इनके खेत से सीधे खरीदी कर ले जाते है। बांदरी के एक दर्जन से ग्रामों में सेम फली की खेती भारी मात्रा में की जा रही है, जहां से बुंदेलखंड की सेम फली को देश के दूर दराज बाजारों में भेजा जा रहा हैं। मुख्यत: इस सेम फली को आगरा, दिल्ली, पीलीभीत व ग्वालियर जैसे स्थानों पर व्यापारी बेचने ले जाते है। किसानों ने बात करते हुए बताया कि चना, गेंहू, मसूर जैसी पारंपरिक फसलों में किसानों को उत्पादन लेने के लिए चार माह इंतजार करना होता है तथा इनमें तुषार पाला का खतरा ज्यादा होता है। इन फसलों में पानी की भी ज्यादा जरूरत होती है। कुल मिलाकर इन फसलों में किसान को चार माह मेहनत करना पड़ती है, तब जाकर उसको अनाज मिल पाता है। वहीं सेम की फसल नकदी फसल है, इसमें व्यापारी तुरंत भुगतान करते है। इस फसल का उत्पादन भी अच्छा होने से यह लाभ का धंधा है। इस कारण अंचल के अधिकांश किसानों का रुझान अब सब्जी वाली फसलों की तरफ बढ़ता जा रहा है।

दिल्ली-एनसीआर क्रिप्टोकरेंसी में लगा रहा सबसे ज्यादा पैसा

बेंगलुरू दूसरे और मुंबई तीसरे स्थान पर

एजेंसी ॥ नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर लगातार तीसरे साल क्रिप्टो निवेयर के मामले में सबसे आगे रहा है, और 2024 में भी यह क्षेत्र सबसे बड़ा योगदानकर्ता बना रहा। बेंगलुरु की तुलना में दिल्ली एनसीआर में लगभग दोगुना निवेश दर्ज किया। इस मामले में बेंगलुरू दूसरे स्थान पर रहा और मुंबई तीसरे स्थान पर रहा।

क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म कॉइनस्विच ने अपनी वार्षिक निवेशक रिपोर्ट-इंडियाज क्रिप्टो पोर्टफोलियो 2024: हाउ इंडिया इन्वेस्ट्स का तीसरा संस्करण जारी किया है जिसमें यह दावा किया गया है। इस रिपोर्ट में भारत के विविध क्रिप्टो इकोसिस्टम का विश्लेषण और डिजिटल संपत्तियों के साथ देश की बढ़ती भागीदारी को उजागर भी किया गया है। बिटकॉइन के ऐतिहासिक 100,000 डॉलर तक पहुंचने वाले वर्ष में, भारतीय निवेशकों ने मेम कॉइन्स में ज्यादा रुचि दिखाई। डॉजकॉइन सबसे अधिक निवेश किए गए कॉइन की सूची में शीर्ष पर रहा, जबकि एसएचआईबी सबसे अधिक ट्रेड किए गए कॉइन के रूप में उभरा। पीईपीई ने 2024 में 1300 प्रतिशत की अविश्वसनीय वृद्धि के साथ शीर्ष प्रदर्शन करने वाली संपत्ति के रूप में अपना स्थान सुनिश्चित किया। कॉइनस्विच के उपाध्यक्ष बालाजी श्रीहरि ने कहा, 2024 वैश्विक क्रिप्टो इकोसिस्टम के लिए एक बड़ा साल साबित हुआ है। बड़े राजनीतिक और नियामक परिवर्तनों ने मुख्यधारा में क्रिप्टो को तेजी से आगे बढ़ाया है। कॉइनस्विच पर, हमने पूरे भारत में क्रिप्टो निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। जो निवेश पहले केवल प्रमुख मेट्रो शहरों तक सीमित था, वह अब तेजी से टियर 2 और टियर 3 शहरों तक फैल रहा है, जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। भारतीय निवेशक अपने पोर्टफोलियो में विविधता ला रहे हैं और मीम कॉइन्स से लेकर लेयर 1 और डीफाई टोकन्स तक की खोज कर रहे हैं। यह क्रिप्टो एसेट्स के प्रति उनकी बदलती रुचि को दर्शाता है। बिटकॉइन के 100,000 डॉलर के स्तर को पार करने और साल का अंत करने के साथ, 2025 में विकास की एक रोमांचक यात्रा की नींव रखी गई है। हमें विश्वास है कि आने वाला साल 2024 की सफलताओं पर आधारित होगा और इस उद्योग को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार भारत के क्रिप्टो निवेश का 36 प्रतिशत से अधिक हिस्सा तीन सबसे बड़े महानगरों में केंद्रित है जिसमकें दिल्ली (20.1 प्रतिशत), बेंगलुरु (9.6 प्रतिशत), और मुंबई (6.5 प्रतिशत) शामिल हैं। कोलकाता और गुजरात के बोटाड़ ने पहली बार शीर्ष 10 क्रिप्टो अपनाने वाले शहरों में जगह बनाई है, क्रमश: 9वें और 10वें स्थान पर। शीर्ष 10 शहरों में, पुणे सबसे अधिक सफल निवेशकों वाला शहर है, जहां 86 प्रतिशत निवेशकों ने सकारात्मक रिटर्न दर्ज किया है। जयपुर, लखनऊ और बोटाड जैसे टियर 2 और टियर 3 शहरों में मजबूत क्रिप्टो अपनाने के संकेत मिल रहे हैं।

मक्षापुरम पर 20 लाख और इंडसइंड बैंक पर 27.30 लाख रुपए का जुर्माना

नई दिल्ली। आरबीआई ने जमा पर ब्याज दरों के नियमों के उल्लंघन के मामले में इंडसइंड बैंक पर 27.30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने 31 मार्च, 2023 तक निरीक्षण किया था। इसमें उसे बैंक की गलती मिली। इसके बाद कारण बताओ नोटिस भेजा। इसके बाद इंडसइंड बैंक पर जुर्माना लगाने का फैसला किया गया। अपने ग्राहक को जानो यानी केवाईसी से जुड़े नियमों के उल्लंघन के मामले में आरबीआई ने मत्तापुरम पर 20 लाख रुपये का दंड लगाया है। मत्तापुरम की 31 मार्च, 2023 तक जांच की गई थी। इस जांच में केंद्रीय बैंक को खामी मिली। कंपनी ग्राहकों के पैन कार्ड का सत्यापन करने में विफल रही जिसके बाद उस पर जुर्माना लगाया गया है।

बिहार में 2,300 करोड़ का अतिरिक्त निवेश करेंगे: प्रणव अदाणी

बिहार बिजनेस कनेक्ट इन्वेस्टर समिट में अदाणी समूह के निदेशक प्रणव अदाणी ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की देखरेख में विकास का नया मॉडल तैयार हुआ है। प्रणव ने कहा कि हमने तीन क्षेत्रों, लॉजिस्टिक्स, गैस डिस्ट्रीब्यूशन और एग्री-लॉजिस्टिक्स में, अब तक लगभग 850 करोड़ रुपये का निवेश किया है और प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से करीब 25,000 लोगों को रोजगार दिया है। अब हम इन क्षेत्रों में 2,300 करोड़ का अतिरिक्त निवेश करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे न केवल हमारी मंडारण और प्रबंधन क्षमता बढ़ेगी, बल्कि ईवी, सीजीडी और सीबीजी क्षेत्रों में भी उपस्थिति बेहतर होगी। साथ ही इससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से करीब 27,000 अतिरिक्त रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इसके अलावा हम बिहार में गति शक्ति रेलवे टर्मिनल, आईसीडी (इनलैंड कंटेनर डिपो) और इंडस्ट्रियल वेयर हाउसिंग पार्क जैसे इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास में संभावित रूप से 1,000 करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए आपकी सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 2 अरब डॉलर घटकर 652.86 अरब डॉलर पर पहुंचा

एजेंसी ॥ नई दिल्ली

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 13 दिसंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान 1.988 अरब डॉलर घटकर 652.869 अरब डॉलर रह गया। आरबीआई ने यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह समग्र विदेशी मुद्रा भंडार 3.235 बिलियन अमरीकी डॉलर घटकर 654.857 बिलियन अमरीकी डॉलर रह गया था। पिछले कुछ हफ्तों से विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट आ रही है और इस गिरावट का कारण पुनर्मूल्यांकन के साथ-साथ रुपये में उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए आरबीआई द्वारा विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप को माना जा रहा है। सितंबर में विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704.885 बिलियन अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था।शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार 13 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.047 अरब डॉलर घटकर 562.576 अरब डॉलर रह गईं। अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में अभिव्यक्त विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों के मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है। आरबीआई ने कहा कि सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार 1.121 अरब डॉलर बढ़कर 68.056 अरब डॉलर हो गया। शीर्ष बैंक ने कहा कि विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 35 मिलियन अमेरिकी डॉलर घटकर 17.997 बिलियन अमेरिकी डॉलर रह गए। शीर्ष बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में आईएमएफ के पास भारत की आरक्षित स्थिति भी 27 मिलियन अमेरिकी डॉलर घटकर 4.24 बिलियन अमेरिकी डॉलर रह गई।

आरबीआई गवर्नर ने वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिदृश्य की समीक्षा की

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के केंद्रीय बोर्ड की बैठक में नए गवर्नर संजय मल्होत्रा के नेतृत्व में शुक्रवार को वर्तमान वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिदृश्य की समीक्षा करते हुए भारत में बैंकिंग की प्रवृत्तियां और उसकी प्रगती 2023-24 के लिए मसौदा रिपोर्ट पर भी विचार विमर्श इस बैठक में किया गया।भारतीय रिजर्व बैंक के केंद्रीय निदेशक मंडल की 612वीं बैठक आज गुवाहाटी में संजय मल्होत्रा, गवर्नर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बोर्ड ने बैंक के गवर्नर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान शक्तिकांत दास की ओर से दी गई बहुमूल्य सेवाओं की सराहना की।बैठक के दौरान शक्तिकांत दास के कार्यकाल और अगले कदमों पर विचार किया गया। बैठक में चुनिंदा केंद्रीय कार्यालय विभागों की गतिविधियों को भी शामिल किया गया।